II Communication & Soft Skills Training

for 'B' & 'C' Category Employees of Banaras Hindu University

Date: December 10-11, 2011
Venue: Faculty of Management Studies, BHU.

An initiative of

BANARAS HINDU UNIVERSITY

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT CELL

Varanasi – 221005, UP, India

BANARAS HINDU UNIVERSITY
Human Resource Development Cell

II - Two-day Training Programme on
COMMUNICATION AND SOFT SKILLS
For 'B' & 'C' Category Employees of the
Banaras Hindu University

10-11 December 2011

Organizing by
Faculty of Management Studies, BHU
for HRD Cell, BHU.

The series of training on Communication and Soft Skill for BHU employees, the second two day training program on "Communication and Soft skills" for group 'B' & 'C' category employees of Banaras Hindu University was organized by FMS, BHU on December 10-11, 2011, The program was inaugurated by garlanding the bust of Malviyaji. Prof. S. K. Singh, Chairman, HRD Cell & Dean, FMS, BHU was the chief guest of the session. He emphasized on the importance of role played by group 'B' &'C' category employees as the base of BHU on which the organization grows, and they facilitate the decision making by providing the rules and comments. That is why, they need to work with accuracy, efficiency and deal with different peoples at various levels Prof H. P. Mathur, Convener-HRD Cell, talked about the future vision of HRD Cell and extended his idea of propagating this training programme for the grade 'D' and 'A' employees also. The program coordinator Dr. Ashutosh Mohan gave a brief about the training and the relevance of various modules included as a part of the same. He also conducted the Inaugural function.

The first session on the day one was taken by Prof. S. C. Singh, FMS, BHU on self efficacy – shifting mindset. He said that we should develop our full potential and energy for getting success in life. In the second session Dr. P. V. Rajiv, FMS, BHU focused on planning and organizing time management. In the next session, Dr. R. K. Lodhwal, FMS, BHU deliberated upon Group Dynamics and effective delegation. In the post lunch session Dr.

Madan Lal, FMS, BHU discussed about conflict management and managing resistance to changes. Dr. Sunita Chandra, Dy. Registrar (RAC) discussed types of office communication. Dr. Ranjan Srivastava, Dy. Registrar (Dev), FMS, BHU talked about the concepts and trends in efective office management. Dr Ashutosh Mohan elaborated upon stress management techniques to deal with the work pressure in our day to day life. The last session of the first day ended with a feedback session taken by Prof. Deepak Barman, FMS, BHU.

The second day of the training program started with meditation session by Prof. S. C. Singh. They talked about the importance of meditation in improving one's life and how it can help in releasing the stress. The second session on the second day was taken by Dr. S. P. Mathur, Dy. Registrar (IT,BHU). He discussed about the ways by means of which the communication can be made effective. The third session was taken by Prof. P. S. Tripathi, FMS, BHU on practicing leadership in office management. He elaborated on the real and practical meaning of leadership. The next two sessions were taken by Prof. S. K. Dubey, FMS, BHU & Prof. Ashish Bajpai, FMS, BHU on the personality development and office adequate and coaching and mentoring respectively.

In the second half ot the day, Dr. Abhijeet Singh, FMS, BHU discussed about the factors that should be kept in mind while making a presentation. He also elaborated on how one can improve his presentation skills. The next two consecutive sessions were taken by Prof. H. P. Mathur, FMS, BHU and Dr. Awadhesh Kumar, Dy. Registrar (NT)on interpersonal skill and participative management for emerging leaders and the Flow of office communication respectively. The last session was taken by Prof. H. C. Chaudhary, FMS, BHU. He threw light on the importance of managing and building teams. In the valedictory session, Prof. H. C. Chaudhary was the Chief Guest. The welcome vote was delivered by Prof. H. P. Mathur, session was presided by Prof. S. K. Singh. The programme ended with the distribution of certificates to the participants and a vote of thanks by Dr. Ashutosh Mohan, Coordinator of the Training Programme.

Media Reflections

BENNETT, COLEMAN & CO. LTD. | ESTABLISHED 1838 | TIMESOFINDIA.COM VARANASI | MONDAY, DECEMBER 12, 2011 | PAGES 22 | PRICE ₹ 3.50

THE TIMES OF INDIA

INCLUSIVE OF EDUCATION TIMES (CITY ONLY) | EPAPER.TIMESOFINDIA.COM

Training programme concludes at BHU

Varanasi: The two-day training programme on 'communication and soft skills' for group B and C category employees of Banaras Hindu University, organised by faculty of management studies concluded on Sunday. The chief guest of the programme and Dean, FMS, BHU, Prof. SK Singh emphasised on the importance of role played by group B and C category employees as the base of BHU on which the organisation grew. TNN

वाराणसी | सोमवार | 12 दिसंबर 2011

अमर उजाला

प्रशिक्षण दिया

वाराणसी। बीएचयू के प्रबंध संकाय में रविवार को बी और सी ग्रेड के कर्मचारियों को स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण दिया गया। प्रो. एससी सिंह ने कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार कार्य करने, कार्यालय के कामकाज, सफाई, छात्र एवं शिक्षकों के साथ व्यवहार के बारे में जानकारी दी। इसमें प्रो. एके सिंह, प्रो. एसपी माथुर, प्रो. एसके दूबे, प्रो. एचसी चौधरी, प्रो. एचपी माथुर ने कर्मियों को जानकारी दी।

वर्ष 41 अंक 29
पृष्ठ 18
वाराणसी, सोमवार
12 दिसम्बर, 2011
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.50 +
₹ 4.00 (जागरण जोश)

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

'ध्यान' से शुरू और विराम पर ईमानदारी की सीख

बीएचयू : बी व सी वर्ग के कर्मचारियों को प्रशिक्षण

वाराणसी, बीएचयू प्रतिनिधि : ध्यान से शुरू हुए उनके दिन ने ईमानदारी, निष्ठा, लगन की सीख से विराम लिया। इस कार्य के मूल में निहित है कि महामना की बगिया से जुड़े लोगों में यह भावना मजबूती से पैठ बना लें कि वह सिर्फ कर्मचारी ही नहीं बल्कि संस्थान की गरिमा की बुनियाद है और यह बुनियाद टिकी है समन्वय, अपनेपन पर। हालात के चलते अगर सहयोगी से विरोधाभास भी हो जाए तब भी इसे नजरअंदाज कर संस्थान की तरक्की से खुद को जोड़ लें।

रविवार को बीएचयू के प्रबंध शास्त्र संकाय में बी व सी वर्ग के कर्मचारियों के प्रशिक्षण में यहीं भाव भरा गया। यहां गठित मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ की ओर से इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों में समन्वय की सीख दी गई। इसके अलावा विशेषज्ञों ने दक्षता का पूरा उपयोग करने, समय के हिसाब से विचारों में बदलाव, समय प्रबंधन, कार्यालय संचार आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उद्घाटन अवसर पर प्रो. एसके सिंह ने कर्मचारियों का उत्सावर्धन किया। समन्वयक प्रो. एचपी माथुर ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण की परिधि में समूह डी व समूह ए वर्ग के भी कर्मचारियों को शामिल किया जाना चाहिए। इसमें डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. सुनीता चंद्रा, डॉ. एसपी माथुर, डॉ. रंजन श्रीवास्तव, प्रो. दीपक बर्मन, प्रो. पीएस त्रिपाठी, प्रो. एससी सिंह, डॉ. पीवी राजीव, डॉ. आरके लोधवाल ने विचार व्यक्त किए। धन्यवाद प्रकाश डॉ. आशुतोष मोहन ने किया।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
सोमवार, 12 दिसम्बर 2011, वाराणसी, पांच प्रदेश, 17 संस्करण, नगर
www.livehindustan.com

सीखे प्रबंधन के गुर

वाराणसी। बीएचयू के प्रबंधशास्त्र संकाय की ओर से विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए आयोजित 'कम्युनिकेशन एंड सॉफ्ट स्किल' कार्यशाला का रविवार को समापन हो गया। मुख्य अतिथि प्रो. एचसी रायचौधुरी ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिया।

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत योग एवं ध्यान से हुई। इस सत्र में प्रो. एससी सिंह ने बताया कि नियमित योग करने से तनाव से निजात मिलती है। दूसरे सत्र में उप कुलसचिव डॉ. एसपी माथुर, प्रो. पीएस त्रिपाठी, प्रो. एसके दुबे व प्रो. आशीष बाजपेयी ने विचार व्यक्त किये।

वर्ष 41 अंक 29
पृष्ठ 18
वाराणसी, सोमवार
12 दिसम्बर, 2011
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.50 +
₹ 4.00 (जागरण जोश)

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

'ध्यान' से शुरू और विराम पर ईमानदारी की सीख

- बीएचयू : बी व सी वर्ग के कर्मचारियों को प्रशिक्षण

वाराणसी, बीएचयू प्रतिनिधि : ध्यान से शुरू हुए उनके दिन ने ईमानदारी, निष्ठा, लगन की सीख से विराम लिया। इस कार्य के मूल में निहित है कि महामना की बगिया से जुड़े लोगों में यह भावना मजबूती से पैठ बना लें कि वह सिर्फ कर्मचारी ही नहीं बल्कि संस्थान की गरिमा की बुनियाद है और यह बुनियाद टिकी है समन्वय, अपनेपन पर। हालात के चलते अगर सहयोगी से विरोधाभास भी हो जाए तब भी इसे नजरअंदाज कर संस्थान की तरक्की से खुद को जोड़ लें।

रविवार को बीएचयू के प्रबंध शास्त्र संकाय में बी व सी वर्ग के कर्मचारियों के प्रशिक्षण में यहीं भाव भरा गया। यहां गठित मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ की ओर से इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों में समन्वय की सीख दी गई। इसके अलावा विशेषज्ञों ने दक्षता का पूरा उपयोग करने, समय के हिसाब से विचारों में बदलाव, समय प्रबंधन, कार्यालय संचार आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उद्घाटन अवसर पर प्रो. एसके सिंह ने कर्मचारियों का उत्सावर्धन किया। समन्वयक प्रो. एचपी माथुर ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण की परिधि में समूह डी व समूह ए वर्ग के भी कर्मचारियों को शामिल किया जाना चाहिए। इसमें डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. सुनीता चंद्रा, डॉ. एसपी माथुर, डॉ. रंजन श्रीवास्तव, प्रो. दीपक बर्मन, प्रो. पीएस त्रिपाठी, प्रो. एससी सिंह, डॉ. पीवी राजीव, डॉ. आरके लोधवाल ने विचार व्यक्त किए। धन्यवाद प्रकाश डॉ. आशुतोष मोहन ने किया।